राज्यपाल महोदय श्री राम नरेश यादव का जे. के. अस्पताल के कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट के लोकापर्ण समारोह में उद्बोधन

स्थान :- भोपाल दिनांक :- 5 मई 2013, समय :- दोपहर एक बजे

मुझे जे.के. हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होकर अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। मुझे अधिक प्रसन्नता इस बात की है कि हमारे बीच में इस शुभअवसर पर अपना आशीर्वाद देने के लिए केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आदरणीय श्री गुलाम नबी आजाद जी तथा मा. श्री कपिल सिब्बल जी संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री उपस्थित हैं। मैं अपनी ओर से तथा प्रदेश की ओर से आप द्वय मंत्रियों का अपने मन की गहराइयों से स्वागत करता हूं।

चिकित्सक का पेशा दुनिया का सबसे पावन व्यवसाय है। किसी को जीवन दान देने से बड़ा कोई दूसरा दान नहीं होता है। प्राय: लोग भगवान के बाद चिकित्सक को सम्मानजनक स्थान देते हैं। अस्पताल की स्थापना का उद्देश्य मानवता की नि:स्वार्थ सेवा ही होना चाहिए।

मानव जीवन को रोग मुक्त रखने के लिए भारत की धरती पर प्राचीन काल से गहन विचार और प्रयोग तथा परीक्षण हुए हैं। हमने स्वास्थ्य के संबंध में चिंतन तो बहुत किया किन्तु एक सीमा तक पहुंचकर व्यावहारिक प्रयोग और इन प्रयोगों का आधुनिकीकरण बंद हो गया है।

स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त करना हर मनुष्य का बुनियादी मानव अधिकार है। इस बात को संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी स्वीकार किया है। हमारे देश की राज्य सरकारों और केन्द्र सरकार ने भी इस विषय पर हमेशा से विशेष ध्यान दिया है। हमारे समाज में बड़ी संख्या में सक्षम लोग और समाज सेवी संगठन आम आदमी के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद करते हैं जो देश और समाज के प्रति उनके अपनेपन का एक उदाहरण है।

आम आदमी को स्वास्थ्य सेवाएं उनकी आर्थिक पहुंच के अंदर उपलब्ध कराना ही वास्तव में मानवता की सच्ची सेवा है। बढ़ती आबादी के सामने चिकित्सा विज्ञान के साधन-सुविधाएं भी बौनी साबित हो रही हैं। गांवों में रहने वाली बड़ी आबादी आज भी समय पर और सही इलाज से वंचित रह जाती है। इसका सर्वाधिक असर महिलाओं और बच्चों पर होता है। महिला परिवार की धुरी होती है और सेहतमंद बच्चा देश का भविष्य। चिकित्सकों का केवल पैसा कमाना ही

उद्देश्य नहीं है। जन और समाज के प्रति जो हमारे कर्तव्य हैं,हमारी जिम्मेदारी है,उन्हें भी चिकित्सकों को पूरा करना है। सिर्फ शासकीय स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाएं आमजन तथा गांव-गांव तक नहीं पहुंचाई जा सकतीं इसके लिए निजी और स्वंयसेवी संस्थाओं को भी आगे आना होगा।

इस कार्य को व्यावसायिकता की सीमाओं से बाहर रखकर सेवा-भाव से करने की जरूरत है। सेवा के इस कार्य में जुटे अन्य निजी अस्पतालों के चिकित्सा कर्मियों से भी मैं कहना चाहूंगा कि अच्छे इलाज की सुविधाओं की आशा लेकर आने वाले गरीबों और जरूरतमंदों के साथ अच्छा व्यवहार करें, उनका विश्वास अर्जित करें। ऐसा करने से आदमी की आधी बीमारी अपने आप ठीक हो जाती है।

शरीर में ह्मदय सबसे महत्वपूर्ण होता है। ह्मदय मतलब दिल की धड़कन, पूरे परिवार की धड़कन, जिसके रूकने से व्यक्ति का जीवन चक्र रूक सा जाता है और पूरा परिवार बिखर सकता है। आज के बदलते खान-पान के परिदृश्य में ह्मदय रोग के मरीजों में बड़ी तेजी से इजाफा हो रहा है। ह्मदय रोग का इलाज कराना आज भी एक बड़ी चिंता की बात समझी जाती है। भारत में 25 प्रतिशत मौतें ह्मदय रोग से, दस प्रतिशत सांस सम्बन्धी रोगों के कारण लगभग साढ़े नौ प्रतिशत मृत्यु कैंसर के कारण होती है। चिकित्सकीय संदर्भों के अनुसार हार्टअटैक का मुख्य कारण उच्च रक्तचाप, हाई कॉलेस्ट्रॉल लेवल, डाइबिटीज़ और अनियमित दिनचर्या होती है।

पिछले कुछ सालों के दौरान हार्ट सर्जरी के क्षेत्र में चमत्कारी प्रगति हुई है। अतीत में हार्ट सर्जरी का जिक्र छिड़ते ही लोगों के दिमाग में भय अपने भयावह रूप में पैठ जमा लेता था, यह जागरूकता के अभाव में आज भी सिलसिला जारी है। लेकिन अब इस धारणा को बदलना होगा। आज यह सर्जरी अत्यंत सुरक्षित बन चुकी है। मुझे प्रसन्नता है जैसा कि मेरे संज्ञान में बात लाई गई है कि इस अस्पताल द्वारा किये गये हार्ट आपरेशन सभी सफल रहे हैं।

मुझे बताया गया है कि जे.के. हॉस्पिटल गरीब सर्वहारा और आर्थिक रूप से अक्षम लोगों को केम्पों के माध्यम से अस्पताल लाकर इलाज करा रहा है और मरीजों के मुफ्त आपरेशन किये जाते हैं। यह इस अस्पताल की मानव सेवा की बहुत बड़ी मिसाल है। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि यह अस्पताल जरूरत मंदों एवं रोगियों की सेवाभाव के साथ और बेहतर चिकित्सा सेवा प्रदान करे और दिल प्रतिदिन उन्नति के मार्ग पर अग्रसर हो।

मुझे आशा है कि अन्य लोग भी इस अस्पताल से प्रेरणा लेंगे और चिकित्सा सेवा के इस पुण्य कार्य में अधिक से अधिक भागीदारी निभायेंगे।

जय हिन्द।